INDIA-JAPAN 2+2 DIALOGUE

Recently, the 2+2 ministerial dialogue was held between India & Japan.

Image Source: The Hindu

Key Points

India-Japan 2+2 Ministerial Dialogue

- Both Countries expressed their:
  - Strong support for ASEAN's unity and centrality and their full support for the **"ASEAN Outlook on the Indo-Pacific (AOIP).**
  - Commitment to a rules-based global order
  - Commitment to a common strategic goal of achieving a free and open Indo-Pacific.
  - Agreement to launch the **Joint Service Staff talks** between the Japan Joint Staff and the Indian Integrated Defence Staff.

Convergence of Interests: India and Japan

- India-Japan are constituent members of the **G-4 grouping.**
- Both countries have faced difficulties in recent times in their relationship with **China** due to latter **confronted policies.**
- India-Japan envisages making the **Indo-pacific multipolar,** free, open, and inclusive.
- India and Japan **share common ideals** like democracy, the rule of law, and human rights, in addition to the prevalence of complementarities that bind their economies.
- India is a **big market for Japanese companies** while in turn, Japanese companies bring investment to India boosting infrastructure and employment creation.

Challenges

Trade Potential:

- The trade potential between India and Japan has not realized its potential.
  - **For Example**, in 2017-18 the bilateral stood at a meagre of $15.71 billion between India-Japan as compared to the Sino-Indian bilateral trade insane period which stood at $84.44 billion in spite of the political tensions.

Diverging Interests:

- India- Japan have divergent interests on economic issues such as **Regional Comprehensive Economic Partnership.**

Balancing Act between QUAD and BRICS:

- India is a member of groups like the **BRICS** and QUAD.

What are '2+2 talks'?

- **'2+2 talks' is a term adopted in foreign diplomacy** that implies a dialogue between two countries' **defence** and **external affairs ministries.**
- It enables the partners to better understand and appreciate each other's strategic concerns and sensitivities taking into account political factors on both sides.
- It helps to build a stronger, more integrated strategic relationship in a rapidly changing global environment.
- India has 2+2 dialogues with **four key strategic partners:**
  - USA
  - Australia
  - Japan
  - Russia

Way Forward:

- India's emergence as the fifth-largest as well as the fastest-growing economy in the world will definitely ensure further growth in strategic ties with Japan.
- Both Japan and India must exploit their natural complementarities:
  - Japan is a **"hard"** power with manufacturing prowess. India is **"soft"** power in IT and services.
  - Japan is short of the natural resources which India has. Japan has the capital. India has skilled labour.
  - Japan seeks markets. India has a flourishing huge domestic market.

भारत-जापान 2+2 संवाद

हाल ही में, भारत और जापान के बीच 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता संपन्न हुई।

छवि स्रोत: द हिंदू

प्रमुख बिंदु

भारत-जापान 2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता

- **दोनों देशों ने व्यक्त किया:**
  - ASEAN की एकता और केंद्रीयता के और "इंडो-पैसिफिक पर आसियान आउटलुक (एओआईपी)" के लिए पूर्ण समर्थन।
  - नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था के प्रति प्रतिबद्धता
  - स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत को प्राप्त करने के साझा रणनीतिक लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता।
  - जापान ज्वाइंट स्टाफ और इंडियन इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के बीच ज्वाइंट सर्विस स्टाफ वार्ता शुरू करने के लिए समझौता।

हितों का अभिसरण: भारत और जापान

- भारत-जापान **जी-4 समूह** के घटक सदस्य हैं।
- दोनों देशों को हाल के दिनों में **चीन** के साथ अपने संबंधों में प्रतिमुख्य नीतियों के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है।
- भारत-जापान हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बहुध्रुवीय, मुक्त, खुला और समावेशी बनाने की परिकल्पना करते हैं।
- भारत और जापान अपनी अर्थव्यवस्थाओं को बांधने वाली पूरकताओं के प्रसार के अलावा लोकतंत्र, कानून के शासन और मानवाधिकारों जैसे सामान आदर्शों को साझा करते हैं।
- भारत जापानी कंपनियों के लिए एक बड़ा बाजार है, जबकि बदले में, जापानी कंपनियों के निवेश से बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलता है।

चुनौतियां

व्यापार क्षमता:

- भारत और जापान के बीच व्यापार अभी तक अपनी पूर्ण क्षमता तक नहीं पहुंचा है।
  - **उदाहरण के लिए,** 2017-18 में भारत-जापान के बीच द्विपक्षीय व्यापार 15.71 बिलियन डॉलर था, जबकि चीन-भारतीय द्विपक्षीय व्यापार उपयुक्त अवधि में राजनीतिक तनाव के बावजूद 84.44 बिलियन डॉलर था।

अपसारी हित:

- क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (RCEP) **जैसे** आर्थिक मुद्दों पर भारत-जापान के अलग-अलग हित हैं।

क्वाड और ब्रिक्स के बीच संतुलन :

- भारत ब्रिक्स और क्वाड जैसे समूहों का सदस्य है।

2+2 वार्ता' क्या हैं?

- '2+2 वार्ता' विदेशी कूटनीति में अपनाया गया एक शब्द है जिसका अर्थ है दो देशों के रक्षा और विदेश मंत्रालयों के बीच एक संवाद।
- यह दोनों पक्षों के राजनीतिक कारकों को ध्यान में रखते हुए एक-दूसरे की रणनीतिक चिंताओं और संवेदनशीलताओं को बेहतर ढंग से समझने और प्रोत्साहित करने में सक्षम बनाता है।
- यह तेजी से बदलते वैश्विक परिवेश में एक मजबूत, अधिक एकीकृत रणनीतिक संबंध बनाने में मदद करता है।
- भारत के चार प्रमुख रणनीतिक साझेदारों के साथ 2+2 संवाद हैं:
  - अमेरीका
  - ऑस्ट्रेलिया
  - जापान
  - रूस

आगे बढ़ने का रास्ता:

- भारत का दुनिया में पांचवीं सबसे बड़ी और सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में उभरना निश्चित रूप से जापान के साथ रणनीतिक संबंधों में और वृद्धि सुनिश्चित करेगा।
- जापान और भारत दोनों को अपनी प्राकृतिक पूरकताओं का दोहन करना चाहिए:
  - जापान विनिर्माण कौशल में एक हार्ड पावर है। वहीं भारत आईटी और सेवाओं में "सॉफ्ट" पावर है।
  - जापान के पास उन प्राकृतिक संसाधनों की कमी है जो भारत के पास मौजूद है। जापान के पास पूंजी है। भारत के पास कुशल श्रम है।
  - जापान बाजार चाहता है। भारत में एक समृद्ध विशाल घरेलू बाजार है।